एक विस्तृत नोट तैयार कर रहा है। इस में मत्स्यग्रहण, झील को बनाए रखने की आवश्यकता तथा कुछ और तत्सम्बन्धी विषय भी सम्मिलित होंगे ।

४. उपयुक्त निर्माण सामग्री को चुनने के लिए तथा उनका इंजीनियरी गुण जानने के वास्ते परीक्षण करने के लिए, कम्बोदिया में एक मिट्टी तथा कंक्रीट की प्रयोगशाला स्थापित करने का विचार है। भारत में मिलने वाले लगभग सारे सामान के लिए आर्डर दे दिये गये हैं ।

५. कम्बोदिया और वीतनम के कुछ इंजीनियरों के लिये भारत में प्रशिक्षण सुविधाएं दी जा रही हैं ।

भूचालीय इंजीनियरी

१२३३. **श्री बैरवा :** क्या **सिंचाई और विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भूचालीय क्षत्रों में बांधों के निर्माण के काम की भूचालीय इंजीनियरी में हुई नवीन खोजों का अध्ययन करने के लिये केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग के जल संभाग के जो सदस्य खास तौर पर जापान भेजे गये थे उनकी भूचालीय स्थल में बांधों के निर्माण के बारे में रिपोर्ट का क्या ब्यौरा है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अलगेशन) : महत्वपूर्ण ब्योरा सुझाव। निम्नलिखित हैं :—

(१) स्पन्दन सम्बन्धी तथा गत्यात्मक समस्याओं से और विशषेतया भूचालीय इंजीनियरी से सम्बद्ध अनुसन्धान निम्नलिखित प्रयोगशालाओं में करने पड़ते हैं :—

(अ) विधि विश्वविद्यालयों की प्रयोगशालाओं में ।

(ब) इंजीनियरी महा विद्यालयों की प्रयोगशालाओं में ।

(स) सिंचाई तथा विद्युत् की, डिफन्स, रेलवे और भवन अनुसंधान, आदि की प्रयोगशालाओं में ।

(२) नदी घाटी परियोजनाओं के क्षेत्र में, संरचनाओं के व्यवहार के निरीक्षण को रिकार्ड करने के लिए संरचनाओं में यंत्रों के अवस्थापन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किये जायें ।

(३) नेशनल फिजिकल लेबारेटरी से सलाह कर, निरीक्षणों के लिए आवश्यक 'स्ट्रेन गाजिज़' तथा सम्बद्ध यंत्रों को बनाने के लिए पग उठाने चाहिएं ।

(४) विशिष्ट क्षत्रों में काम करने वाले इंजीनियरों की टीमें जापान जैसे देशों में भेजी जानी चाहिएं, ताकि वे भूचालीय इंजीनियरों के क्षेत्र में की गई प्रगति से अपना सम्बन्ध स्थापित रखें ।

(५) गत्यात्मक प्रतिरूपों की सहायता से केन्द्रीय जल तथा विद्युत् गवेषणा केन्द्र, पूना में अध्ययन शरू करना चाहिए ।

टिड्डी संकट

१२३४. **श्री बैरवा :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार ने टिड्डी दल को रोकने के लिये कितना रुपया तीनों योजनाओं में अब तक खर्च किया है;

(ख) देश में किन स्थानों पर टिड्डी संकट को रोकने में सफलता मिली है;

(ग) क्या दिनांक ७ जुलाई, १९६२ को मथुरा से कोसीकलां स्टेशन तक बड़ी तादाद में टिड्डी दल बैठा हुआ था; और

(घ) यदि हां, तो उसको रोकने के लिए हमारे विशेषज्ञों ने क्या प्रयत्न किया ?